एक नजर में

राजस्थान की भेड़ चट कर रही निमाड़ के पशुओं का चारा

खरगोन। राजस्थान से जिले में आने वाली लाखों भेड़ो के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग तेज हो गई है। निमाड़ के पशुपालको ने अपर कलेक्टर रेखा राठौर को ज्ञापन सौंपकर सख्ती के साथ वर्षाकाल बाद जिले में आने वाली राजस्थानी भेड़ों के प्रवेश पर रोक की मांग की। कलेक्टर कार्यालय पहुचे पशुपालको ने ज्ञापन में बताया कि राजस्थान से भेड़ो के झुण्डों को लेकर आने वाले चरवाहे बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के हमारे क्षेत्र की चरनोई भूमियो पर अपनी भेड़ो को चरा देते है, जिससे हमारे गोवंश एवं अन्य पशुओं को हरी घास नही मिल पाती है। भेड़ो की संख्या इतनी अधिक होती है कि देखते ही देखते मैदानों में उगी घास को कुछ ही घंटों में साफ कर देती है। जब स्थानीय पशु पालकों द्वारा राजस्थान के चरवाहों को रोका जाता है तो वे विवाद की स्थिति बनती है। कई बार मारपीट की घटनाएं भी सामने आ चुकी है। हजारों की संख्या में आने वाली इन भेड़ों के कारण जिले के मवेशियों को चारा नही मिल पाता और पशुपालको को मजबूरन महंगा चारा खरीदना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। पशुपालको ने बताया कि राजस्थान से आने वाली भेड़ो के कारण गाजरघास, चरोटा, विलायती बबूल, सफेद फूलवाला चारा सहित अन्य खरपतवार तेजी से फैल रहे है। राजस्थान की भेड इन सभी खरपतवार को खाती है और फिर अपने मल के माध्यम से इन घातक खरपतवारो के बीजों को चरनोई एवं खेती की उपजाऊ जमीन में तेजी से फैलती है। इन खरपतवारो की वजह से जहां चरनोई भूमियो में घास नही हो रही है तो दूसरी और किसानों को भी इन खरपतवारो को अपने खेतों से हटाने में भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। राजस्थान के चरवाहे जब अपनी भेड़ो के झुंड को लेकर सड़को पर निकलते है तो जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। भेड़ो के झुंड के कारण क्षेत्र में कई एक्सीडेंट भी हो चुके है।

नर्सिंग कॉलेज की विश्वसनीयता पर उठाए सवाल

खरगोन। शहर में संचालित हो रही नर्सिंग कॉलेज के छात्रों में समय पर परीक्षा परिणाम जारी नही होने से आक्रोश पनपने लगा है। मंगलवार को जुलवानिया रोड़ पर संचालित हो रहे शुभदीप कॉलेज ऑफ नर्सिंग के जीएनएम छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कलेक्ट्रेट पहुंची छात्राओं ने ज्ञापन सौपते हुए परीक्षा परिणाम में हो रही देरी को लेकर नाराजगी दर्ज कराई। विद्यार्थियों ने बताया कि लंबे समय से परिणाम घोषित नहीं होने के कारण उनका भविष्य, आगे की पढ़ाई और करियर प्रभावित हो रहा है। विद्यार्थियों का आरोप है कि उनके साथ परीक्षा देने वाले अन्य कॉलेज के विद्यार्थियों का परिणाम घोषित हो चुका है, केवल उनका परिणाम क्यो रोका गया। विद्यार्थियों ने कॉलेज की विश्वसनीयता पर भी संदेह जताया। ज्ञापन में छात्रा जीरा बर्डे, मोनू सोलंकी, रंजना मंडलोई, प्रमीला गोरे, रश्मि मनाग्रे, निशा कनोजे, लाजवंती डावर आदि ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि वे कई बार कॉलेज प्रबंधन से परिणाम की जानकारी लेने पहुंचे, लेकिन उन्हें न तो परिणाम में देरी का कारण बताया गया और न ही संतोषजनक जवाब दिया जा रहा। यह भी स्पष्ट नही किया गया कि कॉलेज का नामै सुटेबल लिस्ट में शामिल है या नहीं। इस स्थिति से सभी विद्यार्थी मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि कॉलेज ने उनकी छात्रवृत्ति भी ले ली। इसके अतिरिक्त 25 हजार रुपये शुल्क भी जमा करवाया। शुल्क चुकाने के बाद भी परिणाम जारी नही होने से वे खुद को ठगा सा महसूस कर रहे है। विद्यार्थियों ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित विभाग से जांच कराकर जल्द से जल्द परीक्षा परिणाम घोषित कराया जाए तथा परिणाम में विलंब के कारणों की स्पष्ट जानकारी दी जाए।

सिद्ध चक्र मंडल विधान मनाया, 120 अर्घ्य किए समर्पित

सनावद। आषाढ़ माह की अष्टानिका की चौदस पर श्री पार्श्वनाथ बड़ा मंदिर में बड़े भक्ति भाव एवम हर्सोलास से सुनील पुष्पा जैन पावणा परिवार एवं विनोदिनी स्व.चांदमल जैन, रक्षा स्व.प्रेमचंद जैन परिवार के द्वारा सिद्ध चक्र मंडल विधान मनाया गया।

सन्मति काका ने बताया की इस अवसर पर प्रात: श्रीजी का पंचामृत अभिषेक सामूहिक पूजन कर किया गया। दोपहर में आचार्य श्री 108 विप्रणत सागर जी द्वारा रचित सिद्धचक्र मंडल विधान के 120 अर्घ्य समर्पित किए गए। प्रशांत चौधरी ने सिद्धचक्र महामंडल विधान की महिमा बताते हुए कहा कि ये आयोजन में सिद्धों की आराधना करने व सिद्ध भगवान के गुण अनुभाव का अवसर हमें प्राप्त हुआ है। सिद्ध भगवान तीनों कर्म मलों से रहित हो गए हैं। देह से रहित अनंत काल तक आनंद में विराजते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने दैनिक जीवन में मन से, वचन से, काय से, गलत काम करना, कराना और करने वाले की अनुमोदना करना, क्रोध के कारण, मान के कारण, माया के कारण, लोभ के कारण, किसी गलत कार्य को करने का विचार करना, गलत कार्य करने के साधन जुटाना एवं कार्य को प्रारंभ करना इस प्रकार से कुल 108 प्रकार के पापों का आश्रव करते रहते हैं। इसी कड़ी में रात्री में मंदिर जी सामूहिक भक्ति आरती भी की गई।

रथ यात्रा और गुरु पूर्णिमा महोत्सव आज

आज अष्टानिका पर्व के समापन और गुरुपूर्णिमा के अवसर बुधवार 30 जुलाई को दोपहर में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर से श्रीजी की रथ यात्रा निकाली जायेगी जो नगर के प्रमुख मार्गो से होकर पुन बड़े मंदिर में समापन होगा जहां श्रीजी का पंचामृत अभिषेक और गुरु पूजन रात्रि में भक्तामर आराधना संपन्न होगी।

आज बहेगी भक्ति की बयार गुरु चरणों में झुकेंगे शीश

खरगोन। आषाढ़ मास की पूर्णिमा यानि गुरु वेद व्यास का जन्मदिन बुधवार को गुरू पूर्णिमा के रुप में समूचे जिले में श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। गुरुपूर्णिमा पर सुबह से ही लोग अपने . अपने गुरू स्थानों पर पहुंच कर अपने गुरू का पूजन कर आशीर्वाद लेंगे।

गुरु पूर्णिमा पर जिलेभर के मठ, मंदिरों, आश्रमों सहित गुरु गादियों पर गुरु पूजन के साथ ही प्रवचन एवं भंड़ारा कार्यक्रम का आयोजन होगा। शहर सहित समूचे जिले में कसरावद रोड़ स्थित इंद्रटेकड़ी पर श्रीश्री 1008 श्री पूर्णानंद बाबा की तोपस्थली आस्था का केंद्र होगी। गुरु पूर्णिमा पर श्री पूर्णानंद बाबा की तपोस्थली इंद्रटेकड़ी आस्था का केंद्र होती है। यहां मंदिर समिति द्वारा 221 क्विंटल सामग्री से भंडारा प्रसादी तैयार कराई जाएगी। इंद्रटेकड़ी पर गुरु भक्ति की बयार के बीच हजारों शीश गुरु चरणों में गुरु ज्ञान स्वरुप आशीर्वाद लेने के लिए झुकेंगे। श्री पूर्णानंद बाबा तपोस्थल पर हजारों श्रद्धालूओं के पहुंचने को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है। भक्तों को बाबा के दर्शन आसानी से हो इसके लिए बेरिकेटिंग लगाई गई है, जिसमें महिला-पुरुष अलग-अलग खड़े होकर दर्शन कर सकेंगे।

मंदिर ट्रस्ट के अनुसार यहां सुबह बाबा की प्रतिमा का आलौकिक श्रृंगार करने के बाद सुबह 10 बजे भंडारा प्रसादी का आयोजन होगा। इसके अलावा मंदिर परिसर से हलवे की महाप्रसादी का अनवरण वितरण होता रहेगा। गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर दर्शन व पूजन प्रात 5 बजे से शुरु होगा। प्रात 8 बजे महाआरती व भंडारा प्रारंभ होगा। देर रात तक दर्शन क्रम चलता रहेगा। पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा के तहत आचार्य सुधीर बाबा भट्ट के सानिध्य में चल रहे रामायण यज्ञ की पूर्णाहुति मंगलवार को हुई।

पीजी कॉलेज में नई शिक्षा नीति 2020 पर कार्यशाला

खरगोन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में महिला सशक्तिकरण समिति,समाजशास्त्र विभाग और अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नई शिक्षा नीति एवं नवीन स्नातक पाठ्यक्रम की जानकारी के लिए विशेष कार्यशाला की गई।

कला संकाय प्रभारी डॉ. वंदना बर्वे ने नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत लागू नवीन स्नातक पाठ्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि नई शिक्षा प्रणाली विद्यार्थी.केंद्रित, लचीली एवं बहुविषयक है। उन्होंने क्रेडिट आधारित प्रणाली, मेजर एवं माइनर विषयों की अवधारणा को सरल ढंग से समझाया। वैल्यू एडेड कोर्सए स्किल आधारित पाठ्यक्रम, इंटर्नशिप और फील्ड प्रोजेक्ट के महत्व पर प्रकाश डाला। महिला सशक्तिकरण समिति की प्रभारी डॉ. ललिता बर्गे ने कहा कि कौशल संवर्धन और रोजगार के बेहतर अवसरों का मार्ग प्रशस्त करती है।

अवैध शराब बिक्री पर रोक की मांग, बसपा ने सौंपा ज्ञापन

खरगोन। ग्राम पिपल्याखुर्द में कथित अवैध शराब बिक्री के विरोध में बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं ने जिला कलेक्टर व आबकारी विभाग को ज्ञापन सौंपा।

महिलाओं ने आरोप लगाया कि अवैध शराब से परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है और विरोध करने पर विवाद की घटनाएं होती हैं। ज्ञापन में अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाने एवं दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई। बसपा नेताओं ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं होने पर जिला मुख्यालय पर आंदोलन किया जाएगा।

गुरु प्रसाद ने खरगोन के 49वें कलेक्टर के रूप में संभाला कार्यभार

खरगोन । जिले के नवागत कलेक्टर गुरु प्रसाद ने मंगलवार को खरगोन के 49वें कलेक्टर के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने अधिकारियों से जिले की प्रशासनिक व्यवस्था, विकास कार्यों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

गुरु प्रसाद भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के मध्य प्रदेश कैडर के 2017 बैच के अधिकारी हैं। खरगोन में पदस्थापना से पूर्व वे मध्य प्रदेश शासन के मुख्य सचिव कार्यालय में उप सचिव के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए सुशासन एवं जनहित से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पदभार ग्रहण के अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया तथा जिले की प्रशासनिक एवं विकासात्मक गतिविधियों से संबंधित प्रारंभिक जानकारी साझा की। इस दौरान अधिकारियों ने जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं एवं विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति से भी उन्हें अवगत कराया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में विद्यार्थियों ने लिया हरियाली का संकल्प

नवभारत न्यूज

बड़वाह। विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर ज्योतिर्मय मूक-बधिर नि:शुल्क विद्यालय, बड़वाह में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधों को सुंदर गमलों में रोपित किया तथा प्रत्येक छात्र-छात्रा ने एक-एक पौधे की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निशांत डोसी, वन परिक्षेत्र अधिकारी, बड़वाह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति का संरक्षण ही मानव जीवन का संरक्षण है। आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर बनेगा। उन्होंने बच्चों की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें वृक्ष बनने तक सहेजने का संदेश दिया।

विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों ने अपने-अपने पौधों के साथ सामूहिक प्रस्तुति दी। प्रत्येक गमले पर विद्यार्थी का नाम अंकित किया गया, जिससे पौधों की जिम्मेदारी उसी विद्यार्थी की रहे। बच्चों का उत्साह, अनुशासन और प्रकृति के प्रति समर्पण उपस्थित सभी लोगों के लिए प्रेरणादायक रहा। विद्यालय की प्राचार्या एवं शिक्षकों ने बताया कि यह अभियान केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि प्रत्येक पौधे की नियमित सिंचाई, सुरक्षा और देखभाल की जाएगी, ताकि यह पहल हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सार्थक योगदान दे सके। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जन-जन तक पहुँचाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया।

नशे से मुक्त युवा पीढ़ी ही विकसित-सशक्त भारत की आधारशिला...

कसरावद। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन, पुलिस महानिरीक्षक इन्दौर (ग्रामीण) जोन अनुराग के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक खरगोन रविन्द्र वर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शकुंतला रुहल के नेतृत्व में संचालित नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत विभागीय समन्वय एवं संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनिल जैन, तहसीलदार मुकेश मचार, वन विभाग कसरावद के रेंजर भूरिया, आबकारी वृत्त कसरावद से उप निरीक्षक देवराज नगीना, नगर परिषद कसरावद के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थितजनों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा नशे के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाने में प्रत्येक विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित कर नशा उन्मूलन हेतु संयुक्त जनजागरूकता कार्यक्रम, औचक जांच एवं प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही संचालित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी विभागों ने आपसी समन्वय के साथ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने एवं नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने का संकल्प व्यक्त किया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशामुक्ति एवं सामाजिक सद्भाव की शपथ दिलाई गई तथा आमजन को नशीले पदार्थों से दूर रहने, अपने परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने तथा युवाओं को सकारात्मक एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

फसल बीमा जागरूकता रथ रवाना

खरगोन। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ-2026) के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से मंगलवार को जिले में फसल बीमा जागरूकता रथ को एसडीएम सत्येंद्र बैरवा एवं उपसंचालक कृषि शिव सिंह राजपूत द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। फसल बीमा जागरूकता रथ जिले के सभी विकासखंडों एवं ग्रामों में पहुंचकर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी देगा। महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया जाएगा।

दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण

बिस्टान । जनजातीय कार्यक्रम के अंतर्गत सक्षम कार्यक्रम (रोजगार शिक्षा द्वितीय वर्ष) के तहत 2 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन संपन्न हुआ ।यह प्रशिक्षण कक्षा 11 वीं ओर 12 वीं के शिक्षकों का हुआ ओर यह प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर लक्की तिवारी ओर ब्लॉक मैनेजर राजेश गुप्ता के द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षण की शुरुआत एक परिचय गतिविधि से हुई इस गतिविधि का उद्देश्य एक सहज वातावरण निर्माण करना था। उसके बाद प्रशिक्षण की अपेक्षाएं,नियम बनाए गए। पिछले वर्ष की उपलब्धियों पर सभी शिक्षकों से अनुभव साझा करवाए गए ओर इस वर्ष रोजगार शिक्षा वर्ष 2 के सत्र ओर प्रकार पर एक बेहतर समझ विकसित की गई। स्कूल में एम्प्लॉयबीटी एजुकेशन क्यों जरूरी है जिसमें सभी शिक्षकों से अनुभव साझा किए गए किस प्रकार रोजगार शिक्षा विद्यार्थियों के लिए जरूरी है पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों में जीवन कौशलों का विकास होना जरूरी है जिससे वे चुनौतियों का बेहतर तरीके से समाधान कर सके।

सांई मंदिर में धूमधाम से मनेगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

खरगोन। शहर के कुंदा तट स्थित छोटा शिर्डी धाम श्री सांई मंदिर में भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर पुजारी ललित अत्रे ने बताया गुरु पूर्णिमा पर यहां विराजित श्री सांई की प्रतिमा का मनमोहक श्रृंगार होगा। महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण भक्तों में किया जाएगा। इस दौरान मंदिर में फूलों से विशेष सजावट भी गई है।

रात्रि के समय जगमगाती विद्युत सज्जा आकर्षण का केंद्र रहेगी। पंडित अत्रे ने बताया गुरु पूर्णिमा हिंदू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व माना जाता है। यह दिन गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए समर्पित होता है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व का संबंध महर्षि वेदव्यास से भी है, जिन्हें वेदों के संकलन और महाभारत की रचना का श्रेय दिया जाता है। इस तिथि को व्यास पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। वैदिक ज्योतिष के अनुसारए इस बार गुरु पूर्णिमा पर प्रीति योग, आयुष्मान योग बन रहा है। गुरु के उच्च राशि में होने से हंस महापुरुष जैसे दुर्लभ योग का संयोग भी बन रहा है, जो सिंह समेत 5 राशियों के लिए बेहद कल्याणकारी रहने वाला है। इन राशियों को गुरु कृपा से सौभाग्य की प्राप्ति होगी और जीवन में चल रही परेशानियों से मुक्ति भी मिलेगी। विश्वकर्मा गुजराती लोहार समाज एवं विश्वकर्मा उत्थान समिति द्वारा औरंगपुरा विश्वकर्मा मंदिर में गुरु पूर्णिमा मनाई जाएगी।

एक नजर में

सावन में प्रतिदिन उमड़ेंगे हजारों श्रद्धालु, प्राकृतिक वादियों का भी ले सकेंगे आनंद

सदियों पुराना प्राचीन गुप्तेश्वर महादेव मंदिर बना आस्था, जनसहभागिता और ग्रामीण विकास का आदर्श

कसरावद। मिर्जापुर की पहाड़ी पर प्राकृतिक वादियों के बीच स्थित सदियों पुराना प्राचीन गुप्तेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि इस पावन शिवधाम में सच्चे मन से की गई प्रार्थना और मांगी गई मन्नत अवश्य पूरी होती है। यही कारण है कि वर्षभर यहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, जबकि श्रावण मास में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु भगवान गुप्तेश्वर महादेव के जलाभिषेक एवं दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

पिछले पांच वर्षों में ग्राम पंचायत रणगांव द्वारा सरपंच मांगीलाल के नेतृत्व में मंदिर परिसर में कराए गए विकास कार्यों ने इस प्राचीन शिवधाम का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया है। आज यह मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि जनसहभागिता, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास का भी उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत रणगांव द्वारा मंदिर तक पहुंचने के लिए नीचे से ऊपर तक सीसी रोड एवं मजबूत सीढ़ियों का निर्माण कराया गया। परिसर में भव्य मुख्य प्रवेश द्वार, पेवर ब्लॉक, आकर्षक सौंदर्यीकरण तथा लगभग 100 पौधों का वृक्षारोपण किया गया है। हरियाली से आच्छादित यह परिसर प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। मंदिर के शिखर पर स्थित हनुमान मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां से आसपास की पहाड़ियां, हरियाली और प्राकृतिक वादियों का मनोहारी दृश्य दिखाई देता है। श्रद्धालु एक ही स्थान पर भगवान शिव और हनुमानजी के दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस करते हैं। ग्राम पंचायत रणगांव द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की स्थायी व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। गांव से लगभग 800 फीट लंबी पाइपलाइन बिछाकर मंदिर परिसर तक पानी पहुंचाया गया है। इसके अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले, खिसल पट्टी, गोल झूला सहित अन्य खेल संसाधन विकसित किए गए हैं, जिससे यह स्थल धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ पारिवारिक पर्यटन का भी आकर्षक केंद्र बन गया है। श्रावण मास में सामेडा, कोंगावा, रणगांव, काकरियाव, सरवरदेवला सहित आसपास के अनेक गांवों से श्रद्धालु कांवड़ यात्रा निकालकर भगवान गुप्तेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। प्रतिदिन लगभग एक हजार से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं।